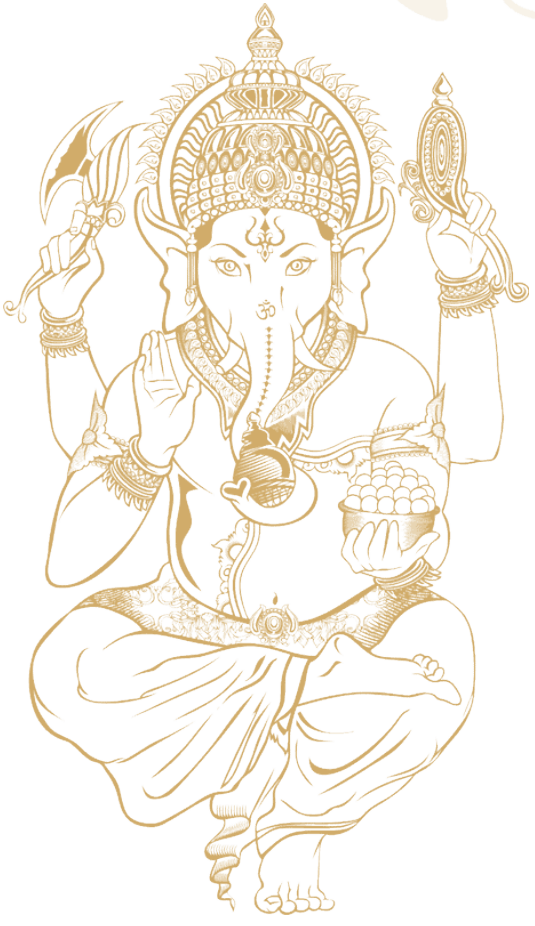

KARAMBIR SINGH

NILAM

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121524503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/05/1976	जन्म तिथि	29/08/1982
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 08:52:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 08:33:23	जन्म समय(घटी)	10:00:00 घटी
India	देश	India
Kharainthi	स्थान	Gohana
29:01:00 उत्तर	अक्षांश	29:06:00 उत्तर
76:29:00 पूर्व	रेखांश	76:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:38	सूर्योदय	05:58:59
19:16:33	सूर्यास्त	18:48:50
23:31:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:36:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 2मा 2दि		00:47:34	कर्क	लग्न	तुला	03:41:44	केतु 0वर्ष 7मा 5दि	
शनि		14:21:22	वृष	सूर्य	सिंह	11:54:30	मंगल	
01/08/2023		15:06:09	वृष	चंद्र	धनु	12:11:31	05/04/2019	
01/08/2042		13:37:36	कर्क	मंगल	तुला	21:56:36	05/04/2026	
शनि	04/08/2026	01:58:05	वृष व	बुध	कन्या	07:42:48	मंगल	01/09/2019
बुध	13/04/2029	21:30:25	मेष	गुरु	तुला	12:05:12	राहु	18/09/2020
केतु	23/05/2030	08:54:30	वृष	शुक्र	कर्क	24:25:12	गुरु	25/08/2021
शुक्र	22/07/2033	05:45:44	कर्क	शनि	कन्या	25:46:53	शनि	04/10/2022
सूर्य	04/07/2034	18:56:16	तुला व	राहु	मिथु	18:29:48	बुध	01/10/2023
चन्द्र	02/02/2036	18:56:16	मेष व	केतु	धनु	18:29:48	केतु	27/02/2024
मंगल	13/03/2037	10:15:27	तुला व	हर्ष	वृश्चि	07:08:04	शुक्र	29/04/2025
राहु	18/01/2040	19:12:05	वृश्चि व	नेप व	धनु	00:40:45	सूर्य	03/09/2025
गुरु	01/08/2042	15:30:43	कन्या व	प्लूटो	तुला	01:20:53	चन्द्र	05/04/2026

लग्न-चलित

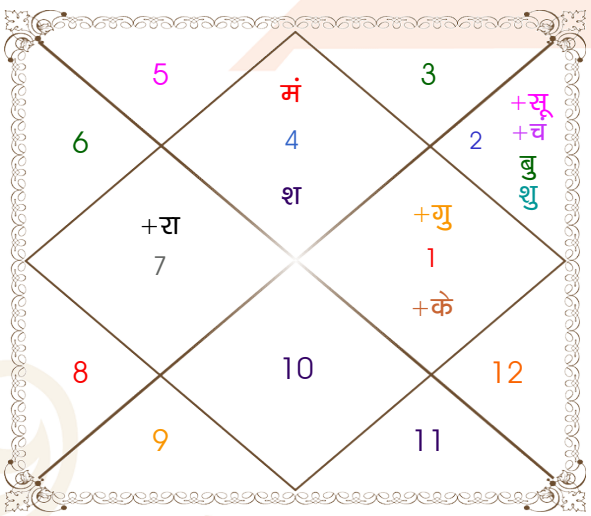

लग्न-चलित

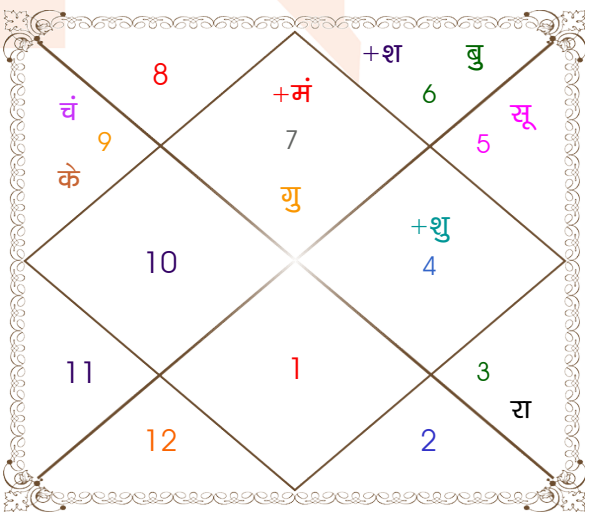

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

KARAMBIR SINGH का वर्ग मृग है तथा NILAM का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार KARAMBIR SINGH और NILAM का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

KARAMBIR SINGH मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल KARAMBIR SINGH कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

NILAM मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु NILAM कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि KARAMBIR SINGH कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

KARAMBIR SINGH तथा NILAM में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।